Movement for Health
World Physiotherapy Day
Taking control of chronic pain

WORLD PHYSIOTHERAPY DAY

08th SEPTEMBER 2019

REPORT OF ACTIVITIES

Inauguration of World Physiotherapy Day Program by Lamp Lighting by Sh. Pankaj Bajpai, Deputy Director (Admin) and Sh. Pravin Kumar, Asst. Prof. & HOD (PT), NILD, Kolkata

Judgement of Poster & Slogan Competition on World Physiotherapy Day at NILD, Kolkata

Quiz Competition was Organised on the Occasion of World Physiotherapy Day at NILD, Kolkata

Awareness Program on Chronic Pain at Old Age Home & Pamphlet Distribution at PT OPD, NILD on 6th and 7th September, 2019

Prize distribution and Cultural Program on World Physiotherapy Day at NILD, Kolkata

Faculty members with Participants on World Physiotherapy Day at NILD, Kolkata

Several Print Media has given Coverage to the Program on 8th and 9th Sept 2019.

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया

कोलकाता, 8 सितम्बर (निप्र)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संसथान जो कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन कार्यरत है, में आज फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया। यह दिवस सम्पूर्ण विश्व के फिजियोथेरेपिस्ट के लिए निर्णायक योगदान सम्बंधित जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर है। फिजियोथेरेपी सामान्य जन की अच्छी देखभाल गतिशीलता अवं आत्मनिर्भर बनाने में योगदान करती है। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस की इस वर्ष क्रोनिक पेन की विषय वस्तु पर आयोजित किया जा रहा है। फिजियोथेरेपी के विभागों एवं क्लिनिक में क्रोनिक पेन से प्रभावित रोगियों की संख्या सर्वाधिक होती है जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिसका मुख्य कारण वर्तमान जीवन शैली एवं खान पान है। अधिकांश ये रोगी कमर घुटने, एवं शरीर के अन्य जोड़ों में दर्द से पीड़ित रहते हैं। इन रोगियों में फिजियोथेरेपिस्ट- अल्ट्रा साउंड, टेन्स, शार्ट वेव डाइथर्मी, लेजर थेरेपी एवं अन्य आधुनिक उपकरणों द्वारा प्रभावी चिकित्सा करते हैं। इसके साथ ही जीवन शैली में आवश्यक बदलाव के सुझाव भी देते हैं। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संसथान कोलकाता द्वारा दिनांक 6 से 8 सितम्बर 2019 को इस अवसर पर क्रोनिक पेन में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमे फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष, श्री प्रवीण कुमार विशेषज्ञों विभाग के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों द्वारा सामान्यजनों को जागरूकता हेतु छात्रों प्रश्नोत्तरी, स्लोगन प्रतियोगितायें आयोजित की गई। शांतिनीर वृद्धाश्रम, बरानगर में संस्थान के फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों एवं छात्रों ने वृद्धजनों को जोड़ों की पीड़ा रहित जीवन जीने एवं जीवन शैली में व्यायाम की आवश्यकता एवं महत्व को सामझाया एवं करने के तरीके दिखाएँ। वृद्धजनों की जोड़ों सम्बंधित समस्याओं का भी निदान किया गया।

9th September, Dainik Vishwamitra

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया

कोलकाता. राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, जो कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन कार्यरत है, में रविवार को फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया। इस वर्ष क्रोनिक पेन की विषय वस्तु पर आयोजित किया जा रहा है। फिजियोथेरेपी के विभागों एवं क्लिनिक में क्रोनिक पेन से प्रभावित रोगियों की संख्या सर्वाधिक होती है जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। संस्थान की ओर से 6 से 8 सितम्बर तक क्रोनिक पेन में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमे फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण कुमार विशेषज्ञों विभाग के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों द्वारा सामान्यजनों को जागरूकता हेतु छात्रों प्रश्नोत्तरी, श्लोगन प्रतियोगितायें आयोजित की गई। शातिनीर वृद्धाश्रम, बरानगर में संस्थान के फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों एवं छात्रों ने वृद्धजनों को जोड़ों की पीड़ा रहित जीवन जीने एवं जीवन शैली में व्यायाम की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझाया एवं करने के तरीके दिखाए। रविवार को संस्थान के फिजियोथेरेपी के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे लघुनाटिका द्वारा उपस्थित लोगों को फिजियोथेरेपी की भूमिका एवं महत्व के बारे सन्देश देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के प्रशासनिक उप निदेशक पंकज बाजपेई ने किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम समन्वयक विभूति सरकार, विभाग के शिक्षक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित थे।

9th September, Rajasthan Patrika

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर विविध कार्यक्रम

कोलकाता. दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान के फिजियोथेरेपी विभाग ने रविवार को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया. राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता में छह से आठ सितंबर तक क्रोनिक पेन में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण कुमार व विशेषज्ञों विभाग के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों ने जागरूकता के लिए छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी, स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं. शांतिनीर वृद्धाश्रम, बरानगर में संस्थान के फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों व छात्रों ने वृद्धजनों को जोड़ों की पीड़ा रहित जीवन जीने और जीवनशैली में व्यायाम की आवश्यकता और महत्व को सामझाया. रविवार को संस्थान के फिजियोथेरेपी के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लघुनाटिका द्वारा उपस्थित लोगों को फिजियोथेरेपी की भूमिका और महत्व के बारे संदेश देने का प्रयास किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के प्रशासनिक उपनिदेशक पंकज बाजपेयी ने किया, जबकि कार्यक्रम का समन्वयन विभूति सरकार ने किया.

बंगाल की खबरें पेज 7 पर भी

9th September, Prabhat Khabar

विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस आज

कोलाकाता, 7 सितम्बर (निप्र)। विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस प्रत्येक वर्ष 8 सितम्बर को मनाया जाता है। आज का दिन भौतिक चिकित्सकों के योगदान एवं उपलब्धियों को समाज के सामने लाने का एक अवसर होता है। सन 1996 में भौतिक चिकित्सा के वर्ल्ड कन्फेडरेशन ऑफ फिजिकल थेरेपी ने 8 सितम्बर को विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। भौतिक चिकित्सक चोट, वृद्धावस्था, स्ट्रोक, आर्थराइटिस एवं अन्य कारणों से प्रभावित व्यक्तियों एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक जीवन शैली में लोगों का व्यस्ततम जीवन होता जा रहा है जिसके फलस्वरूप मांसपेशियों, जोड़ों तथा स्ट्रोक जैसी अनेक बिमारियाँ सामने आ रही है, जिसमें भौतिक चिकित्सकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भौतिक चिकित्सा में थेरेपी के साथ-साथ नई तकनीकियों का अनुसन्धान आधारित विकास निरन्तर किया जा रहा है, जिससे कि इस क्षेत्र में मरीजों एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास/इलाज में गुणवत्ता आधारित कार्य प्रणाली का प्रयोग कर पुनः स्थापन एवं समाज की मुख्य धारा में जोड़ने में सहायक सिद्ध होते है। भौतिक चिकित्सा की शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण के प्रतिष्ठित संस्थान विश्व स्तर पर उपलब्ध हैं। भौतिक चिकित्सा के क्षेत्र में कोलकाता में राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान जो कि 1978 में भारत सरकार के अन्तर्गत स्थापित हुआ था। संस्थान में भौतिक चिकित्सा के स्नातक एवं परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रम चलायें जातें है जिसमें भौतिक चिकित्सक के छात्रों को तकनीकि एवं थेरेपी का विश्व स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान से प्रशिक्षित भौतिक चिकित्सक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों एवं मरीजो तथा शैक्षणिक संस्थाओं में अपनी प्रभावी सेवायें प्रदान कर संस्थान की प्रतिष्ठा को निरन्तर वृद्धि कर रहे हैं। भौतिक चिकित्सक प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस दिन को विशेष कार्यक्रमों को आयोजित करके मना रहें हैं। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान के भौतिक चिकित्सकों द्वारा इस अवसर पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, मरीजों एवं छात्रों के ज्ञानवर्धन एवं जागरूकता के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे लोगों को दैनिक दिनचर्या में होने वाली मांसपेशियों एवं जोड़ों से होने वाली परेशानियों को देखते हुए व्यायाम द्वारा गतिशील एवं आत्मनिर्भरता को बनाये रखने एवं बढ़ाने हेतु विशेष जानकारी प्रदान की जा रही है।

8th September, Dainik Vishwamitra